भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
मत्स्यपालन विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या – 202
दिनांक 9 मार्च, 2021 के लिए प्रश्न

मत्स्य उत्पादन बढ़ाने हेतु योजनाएं

202**:** श्रीमती सुनीता दुग्गलः

क्या मत्स्यपालन,पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा मत्स्यपालन व्यवसाय में संलग्न किसानों के लिए कार्यान्वित की गई योजनाओं की संख्या कितनी है;

(ख) क्या सरकार ने मत्स्य उत्पादन को बढ़ाने के लिए कोई योजना बनाई है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) विगत तीन वर्षों के दौरान सरकार द्वारा मत्स्यपालन क्षेत्र के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत राज्य–वार आवंटित कुल धनराशि कितनी है;

(ङ) क्या सरकार की जलजमाव वाले भूमि क्षेत्र में मत्स्य उत्पादन की कोई योजना है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर:

मत्स्यपालन ,पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री गिरिराज सिंह)

(क) से (च): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

मत्स्य उत्पादन बढ़ाने हेतु योजनाओं के संबंध मेंश्रीमती सुनीता दुग्गल, माननीय संसद सदस्य द्वारा दिनांक 09 मार्च, 2021 कोपूछे जाने वाले लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. *202 के उत्तर में निम्नलिखित विवरण

(क) से (ग): मत्स्यपालन विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालयद्वारा एक फ्लैगशिप योजना अर्थात ''प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पी.एम.एम.एस.वाई)''–भारत में मत्स्यपालन क्षेत्र के सतत एवं जिम्मेदार विकास के माध्यम से नीली क्रांति लाने के लिए, जिसका मत्स्यपालन के क्षेत्र में अब तक का सर्वाधिक निवेश 20,050 करोड़ रूपये के साथ, जो वित्त वर्ष 2021–22 से 5 वर्षों की अवधि के लिए लागू की जा रही है। पी.एम.एम.एस.वाई का उद्देश्य मछली उत्पादन तथा उत्पादकता, गुणवत्ता, प्रौद्योगिकी, पोस्ट हार्वेस्ट के बुनियादी ढांचे का प्रबंधन, मूल्य श्रृंखला का आधुनिकीकरण और सुदृढीकरण, ट्रेसिबिलिटीऔरमात्स्यिकी प्रबंधन के ढांचे को स्थापित करने संबंधी विद्यमान महत्वपूर्ण अंतरालों का समाधान और मछुआरों के कल्याण की योजना है। इसके अलावा 7522.48 करोड़ रूपये की एक समर्पित निधि अर्थात 'मत्स्यपालन तथा जलीय कृषि अवसंरचना विकास निधि (एफ. आई. डी.एफ) की स्थापना, मत्स्यपालन अवसंरचना की सुविधाओं के सृजन और सुदृढीकरण के लिए की गई है।

(घ) :पूर्ववर्ती नीली क्रांति: मत्स्यपालन के एकीकृत विकास और प्रबंधन की योजना के अन्तर्गत पिछले तीन वर्षों 2017–18 से 2019–20 के दौरान मछुआरों के कल्याणकारी गतिविधियों सहित मत्स्यपालन के विकास के लिए 3386.57 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ परियोजनाएं विभिन्न राज्य सरकारों को स्वीकृत किए गए है। पिछले तीन वर्षो के दौरान राज्य–वार स्वीकृत की गई परियोजनाओं का ब्यौरा अनुलग्नक में दिया गया है।

(ङ) और (च): अन्य बातों के साथ–साथ प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना (पी.एम.एम.एस.वाई.) के अन्तर्गत मत्स्यपालन विकास के लिए जल जमाव क्षेत्र के उत्पादक उपयोग हेतू विशेष ध्यान दिया गया है जिसमें प्राथमिक रूप से आरंभ की गई गतिविधियों जिनमें फिंगरलिंग की स्टॉकिंग, खुले जल निकायों में पेन कृषि तथा पोस्ट हार्वेस्ट हैंडलिंग की सुविधाएं सम्मिलित हैं।जलभराव वाली भूमि में मत्स्यपालन के विकास के लिए नीली क्रांति और पी.एम.एम.एस.वाई. के तहत 95.55 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ परियोजनाएं स्वीकृत किए गए हैं।

*****

अनुलग्नक

मत्स्य उत्पादन बढ़ाने हेतु योजनाओंके संबंध में श्रीमती सुनीता दुग्गल, माननीय संसद सदस्य द्वारा दिनांक 09 मार्च, 2021 कोपूछे जाने वाले लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. *202 के उत्तर में उल्लिखित विवरण- वर्ष 2017-18 से 2019-20 को दौरान नीली क्रांति: मत्स्यपालन के एकीकृत विकास और प्रबंधन पर केन्द्रीय प्रायोजित योजना (सी.एस.एस.) के अन्तर्गत राज्य-वार स्वीकृत की गई परियोजनाओं के ब्यौरे।

(रुपये करोड़ में)

क्रम सं.	**राज्य**	**कुल परियोजना परिव्यय**
1	आंध्र प्रदेश	139.69
2	अरुणाचल प्रदेश	13.43
3	असम	33.54
4	बिहार	279.70
5	छत्तीसगढ	203.58
6	दिल्ली	3.39
7	गोवा	12.79
8	गुजरात	121.78
9	हरियाणा	79.37
10	हिमाचल प्रदेश	48.50
11	जम्मू और कश्मीर	25.87
12	झारखंड	25.58
13	कर्नाटक	335.33
14	केरल	219.61
15	मध्य प्रदेश	114.45
16	महाराष्ट्र	191.70
17	मणिपुर	27.26
18	मेघालय	96.98
19	मिजोरम	21.89
20	नगालैंड	30.51
21	ओडिशा	131.43
22	पंजाब	25.67
23	राजस्थान	9.19
24	सिक्किम	25.34
25	तमिलनाडु	662.86
26	तेलंगाना	158.26
27	त्रिपुरा	46.20
28	उत्तर प्रदेश	245.94
29	उत्तराखंड	37.55
30	पश्चिम बंगाल	19.20
	कुल	**3386.57**

****